ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

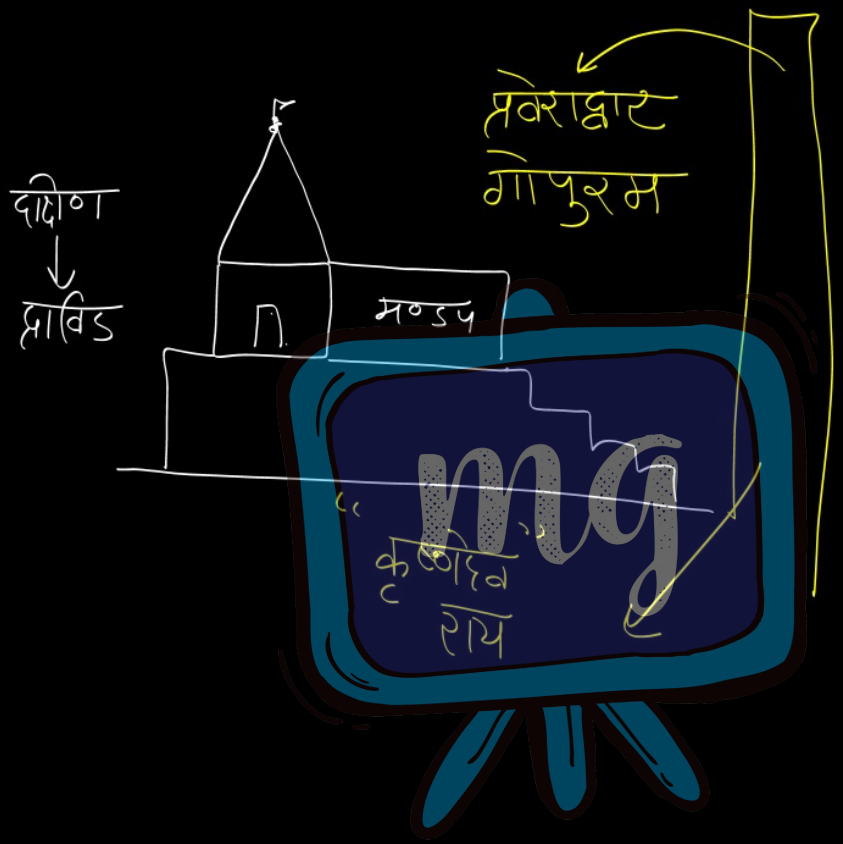
भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 7

एक साम्राज्य की राजधानी विजयनगर

भाग - 5

प्रीतेश जोशी


गोपुरम
मण्डप
mg

ipca
A dose of life

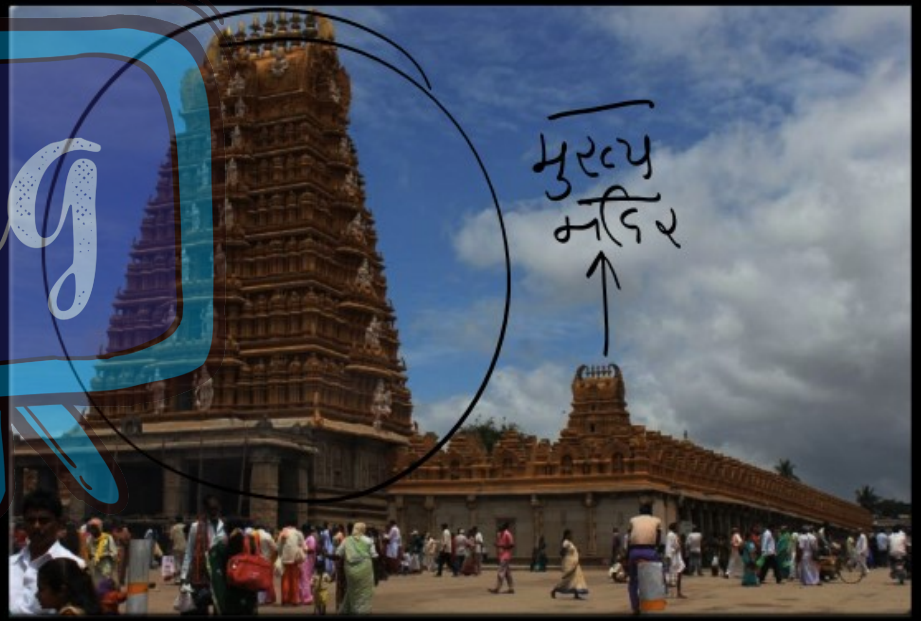
mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



मन्दिर स्थापत्य के संदर्भ में इस समय तक कई नए तत्व प्रकाश में आते हैं।

इनका सबसे अच्छा उदाहरण राय गोपुरम् अथवा राजकीय प्रवेशद्वार थे जो अकसर केंद्रीय देवालयों की मीनारों को बौना प्रतीत कराते थे और जो लंबी दूरी से ही मन्दिर के होने का संकेत देते थे।

ये संभवतः शासकों की ताकत की याद भी दिलाते थे।


मुख्य मंदिर

ipca
A dose of life

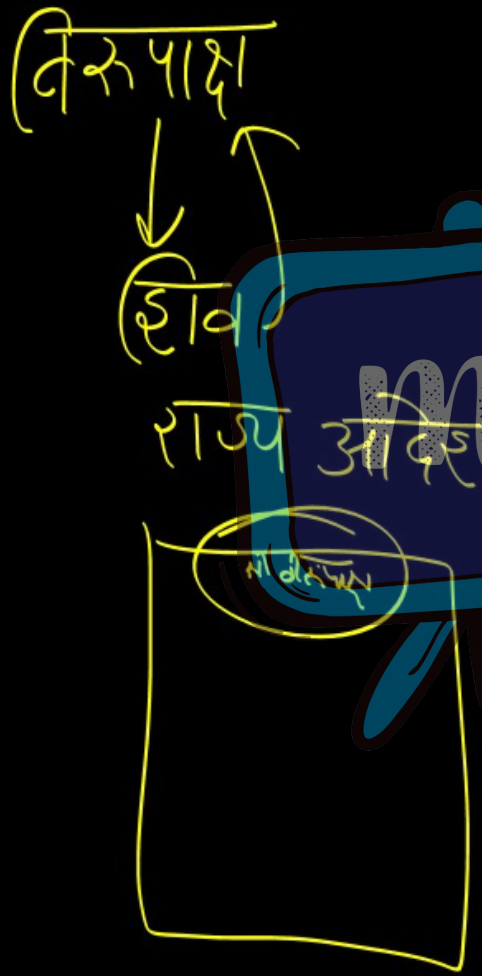
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

"मण्डप"

→ गर्भगृह

↳ अन्य विशिष्ट अभिलक्षणों में मण्डप तथा लंबे स्तंभों वाले गलियारे, जो अकसर मंदिर परिसर में स्थित देवस्थलों के चारों ओर बने थे, सम्मिलित हैं।





- हम दो मन्दिरों को और सूक्ष्मता से देखते हैं–विरुपाक्ष मन्दिर तथा विट्ठल मन्दिर।
- विरुपाक्ष मन्दिर का निर्माण कई शताब्दियों में हुआ था।
- अभिलेखों से पता चलता है कि सबसे प्राचीन मन्दिर नवीं–दसवीं शताब्दियों का था, विजयनगर साम्राज्य की स्थापना के बाद इसे कहीं अधिक बड़ा किया गया था।


mg

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मुख्य मन्दिर के सामने बना मण्डप कृष्णदेव राय ने अपने राज्यारोहण के उपलक्ष्य में बनवाया था।
- पूर्वी गोपुरम् के निर्माण का श्रेय भी उसे ही दिया जाता है।
- मन्दिर के सभागारों का प्रयोग विविध प्रकार के कार्यों के लिए होता था।
- जिनमें देवताओं की मूर्तियाँ संगीत, नृत्य और नाटकों के विशेष कार्यक्रमों को देखने के लिए रखी जाती थीं।

सभागार
सभा + आगार

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अन्य सभागारों का प्रयोग देवी-देवताओं के विवाह के उत्सव पर आनंद मनाने और कुछ अन्य का प्रयोग देवी-देवताओं को झूला झुलाने के लिए होता था।
- दूसरा देवस्थल, विट्ठल मन्दिर, भी रोचक है।
- यहाँ के प्रमुख देवता विट्ठल थे जो सामान्यत: महाराष्ट्र में पूजे जाने वाले विष्णु के एक रूप हैं।

ipca
A dose of life

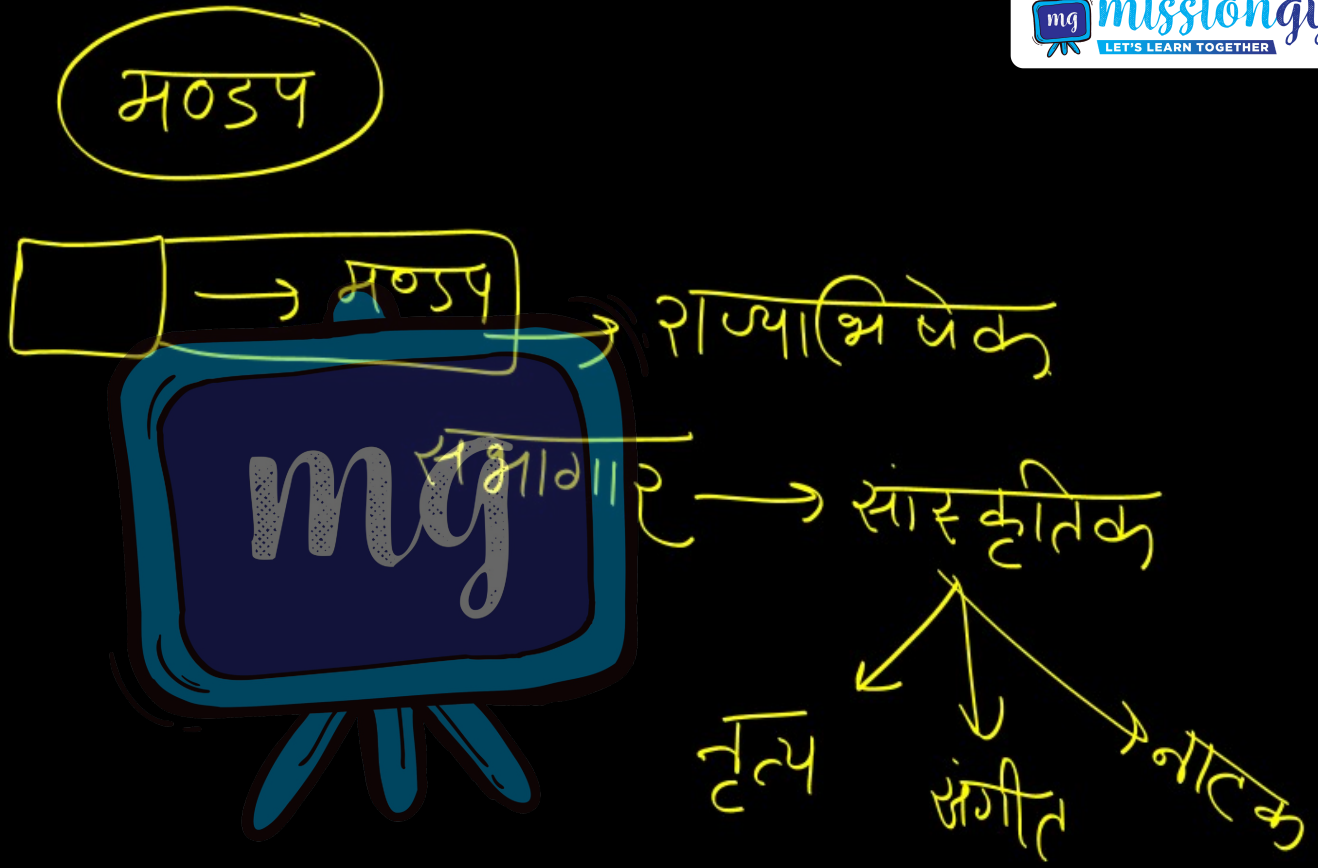
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गोपुरम

मण्डप

→ विशाल प्रवेशद्वार
→ दक्षिण भारत (द्रविड़)
→ कृष्णदेवराय
→ मंदिर (छोटे)
→ ताकत
→ धार्मिक
→ घर




मण्डप
मण्डप
राज्याभिषेक
सांस्कृतिक
नृत्य
संगीत
नाटक

ipca
A dose of life

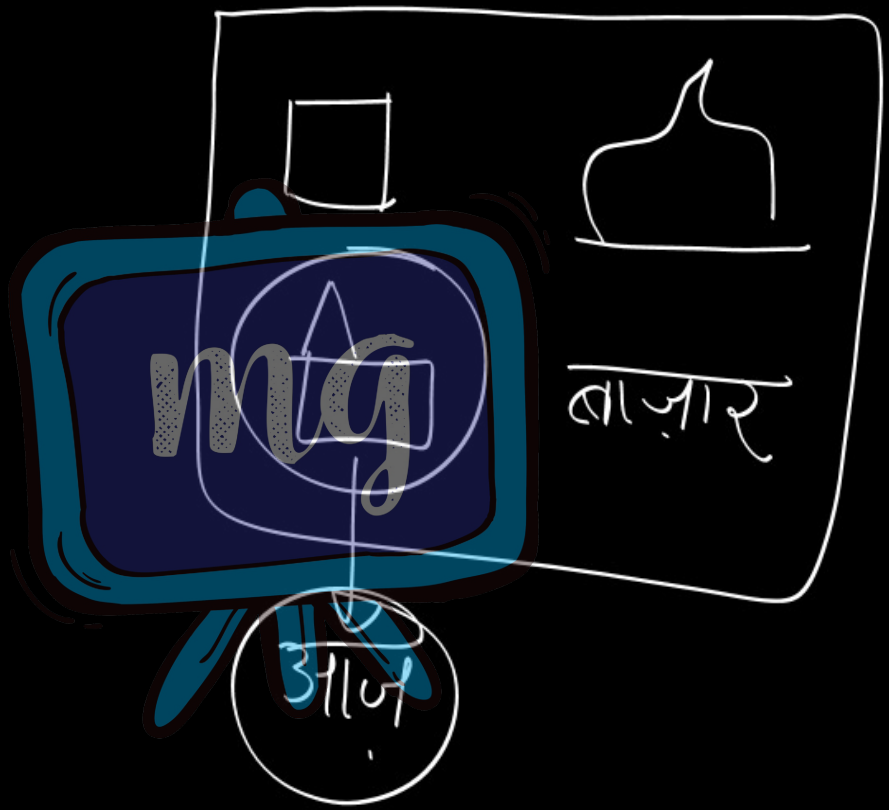
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. गोपुरम क्या है? इनका निर्माण क्यों कराया जाता था?

Q. मंदिर में सभागार का इस्तेमाल किन कार्यों के लिए किया जाता था?

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

महलों, मन्दिरों तथा बाज़ारों का अंकन

- हमने विजयनगर के विषय में जानकारी के भण्डार का विश्लेषण किया है – फोटोग्राफ, नक्शे, संरचनाओं के खड़े रेखाचित्र तथा मूर्तियाँ।

यह सब कैसे खोजा गया?

- मैकेन्जी द्वारा किए गए आरंभिक सर्वेक्षणों यात्रा वृत्तांतों और अभिलेखों से मिली जानकारी को एक साथ जोड़ा गया। बीसवीं शताब्दी में इस स्थान का संरक्षण भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण तथा कर्नाटक पुरातात्विक एवं संग्रहालय विभाग द्वारा किया गया।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 1976 में हम्पी को राष्ट्रीय महत्त्व के स्थल के रूप में मान्यता मिली।
- तदोपरांत 1980 के दशक के आरंभ में विविध प्रकार के अभिलेखन प्रयोग से, व्यापक तथा गहन सर्वेक्षणों के माध्यम से, विजयनगर से मिले भौतिक अवशेषों के सूक्ष्मता से प्रलेखन की एक महत्त्वपूर्ण परियोजना का शुभारंभ किया गया।

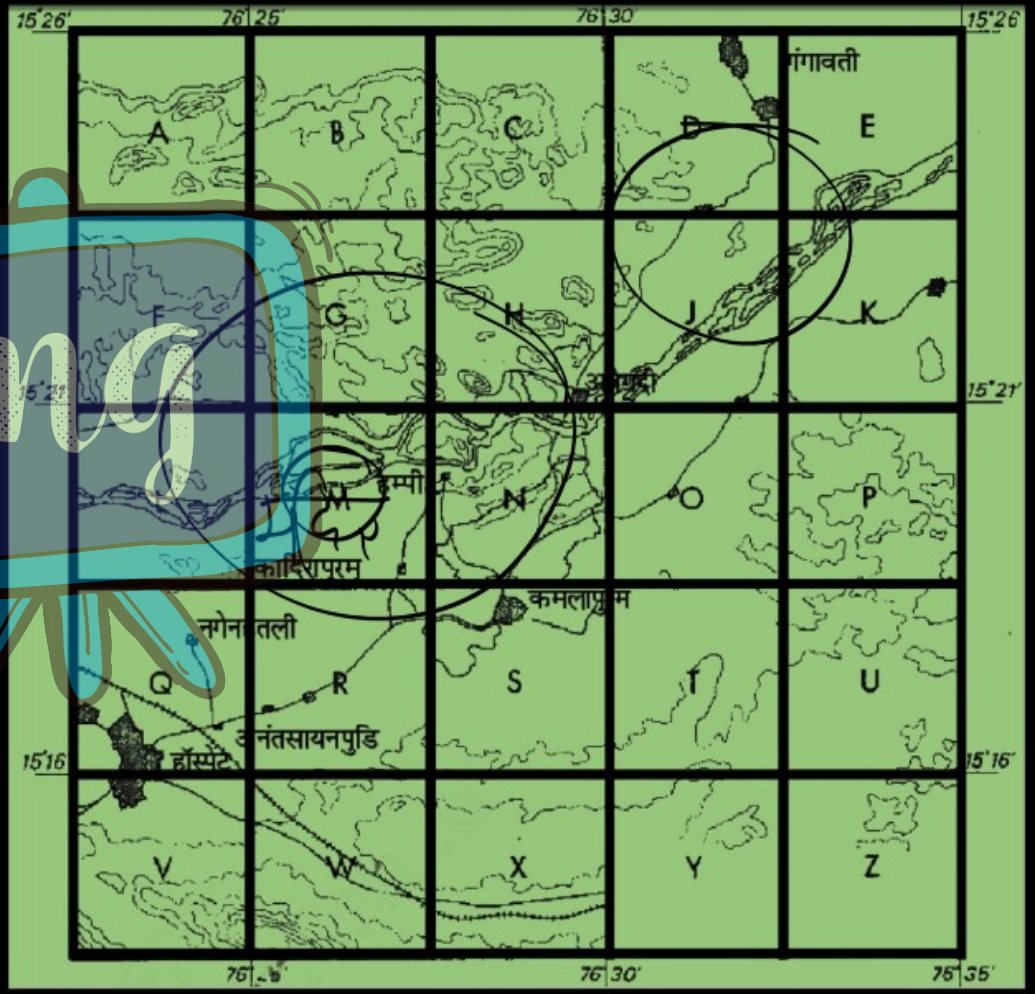
ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस विशद प्रक्रिया के सिर्फ़ एक हिस्से को हम बारीकी से देखते हैं।

यह है मानचित्र निर्माण।

- इसका पहला चरण यह था कि संपूर्ण क्षेत्र को 25 वर्गाकार भागों में बाँटा गया और प्रत्येक वर्ग को वर्णमाला के एक अक्षर से इंगित किया गया।
- फिर इन छोटे वर्गों को पुनः और भी छोटे वर्गों के समूहों में बाँटा गया।


15°26'
76°25'
76°30'
15°26'
गंगावती
A
B
C
D
E
F
G
H
J
K
15°21'
15°21'
हम्पी
M
N
O
P
कोदिशपरम
कमलापुरम
नगोनहल्ली
Q
R
S
T
U
अनंतसायनपुडि
हॉस्पेट
15°16'
15°16'
V
W
X
Y
Z
76°25'
76°30'
76°35'

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ये गहन सर्वेक्षण बहुत परिश्रम से किए गए थे, और इनसे हज़ारों संरचनाओं के अंशों—छोटे देवस्थलों और आवासों से लेकर विशाल मन्दिरों तक—को पुनः उजागर किया गया।

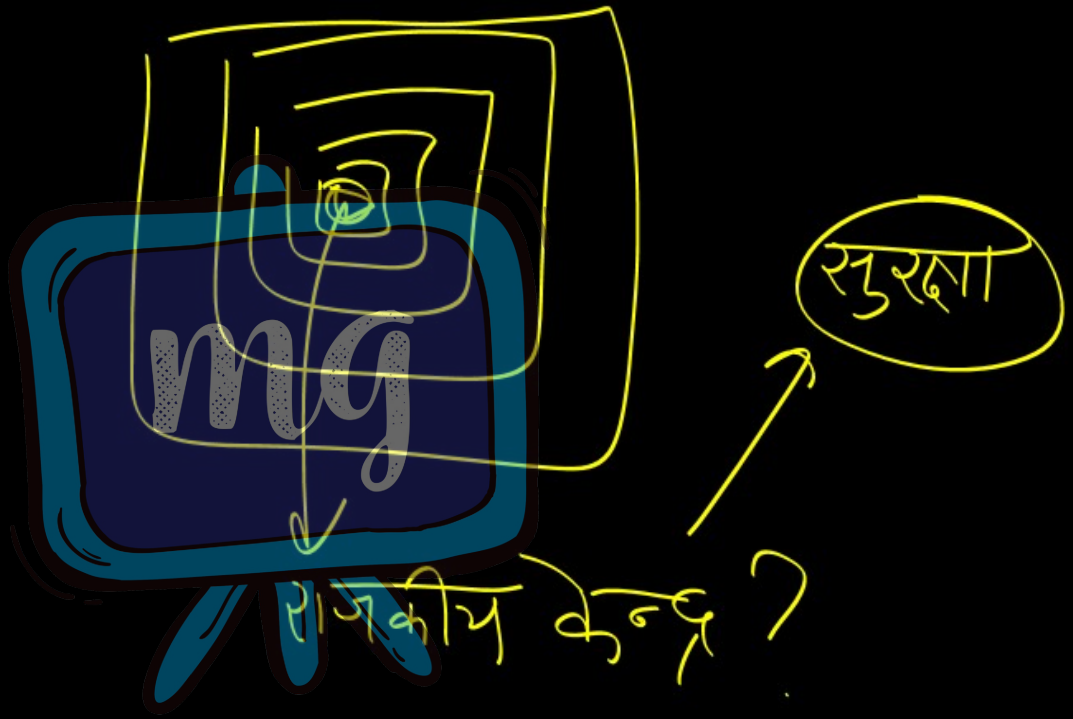
उत्तरों की खोज में प्रश्न

- सुरक्षित भवन हमें उन तरीकों के विषय में बताते हैं जिनसे स्थानों को व्यवस्थित किया गया और उन्हें प्रयोग में लाया गया।
- वह हमें यह भी बताते हैं कि किन वस्तुओं और तकनीकों से उनका निर्माण किया गया और कैसे किया गया।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- लेकिन स्थापत्य तत्वों के परीक्षण हमें यह नहीं बताते कि सामान्य पुरुष, महिलाएँ तथा बच्चे जो शहर और उसके आसपास के क्षेत्र में रहने वाली जनसंख्या का एक बड़ा भाग थे, इन प्रभावशाली भवनों के विषय में क्या सोचते थे।
- क्या उनकी शाही केंद्र अथवा धार्मिक केंद्र के किसी भी भाग में पहुँच हो सकती थी, अथवा नहीं ?


सुरक्षा
राजकीय केन्द्र ?

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- वे लोग जिन्होंने इन विशाल निर्माण परियोजनाओं पर कार्य किया था, इन उद्यमों के विषय में क्या सोचते थे जिसके लिए उन्होंने अपना श्रम दान दिया था?



मंदिर गोपुरम् मंडप

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- हालाँकि, क्या निर्माण करना है, किस स्थान पर, कौन-सा माल प्रयोग करना है और किस शैली का अनुसरण करना है, ये सभी निर्णय शासक लेते थे।
- इतने विशाल उद्यमों के लिए आवश्यक विशिष्ट ज्ञान किसके पास था?
- भवनों के नक्शे कौन बनाता था?

ipca
A dose of life

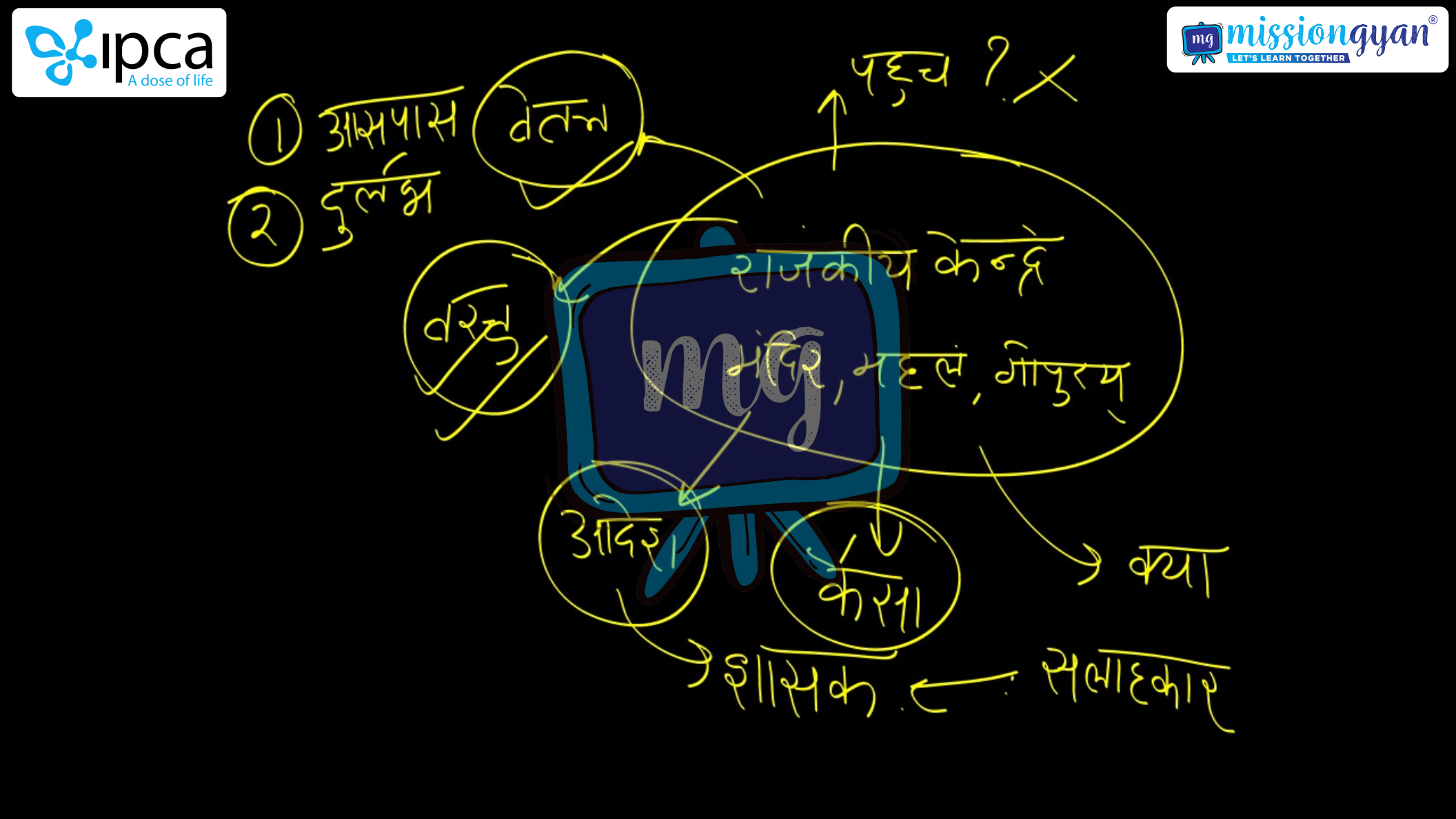
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- राजगीर, पत्थर काटने वाले, मूर्तिकार जो वास्तविक निर्माण कार्य करते थे, कहाँ से आते थे?
- क्या उन्हें युद्ध के दौरान पड़ोसी क्षेत्रों से बंदी बनाया जाता था?
- उन्हें किस प्रकार से वेतन मिलते थे?
- निर्माण गतिविधियों का अधीक्षण कौन करता था?

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- निर्माण के लिए कच्चा माल कैसे और कहाँ से लाया जाता था?
- ये कुछ ऐसे प्रश्न हैं जिनके उत्तर हम भवनों या उनके अवशेषों को देखने मात्र से नहीं दे सकते।
- संभवत: अन्य स्त्रोतों के प्रयोग से जारी शोध कुछ संकेत दे सकें।


ipca
A dose of life
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
पहुंच ? ✗
① आसपास
② दुर्लभ
वस्तु
राजकीय केन्द्रे
मंदिर, महल, गोपुरम्
आदर्श
कसा
क्या
शासक
सल्लाहकार

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1336 हरिहर बुक्का

काल-रेखा-1	
महत्वपूर्ण राजनीतिक परिवर्तन	
लगभग 1200–1300 ईसवी	दिल्ली सल्तनत की स्थापना (1206)
लगभग 1300–1400 ईसवी	विजयनगर साम्राज्य की स्थापना (1336); बहमनी राज्य की स्थापना (1347); जौनपुर, कश्मीर और मदुरई में सल्तनतें
लगभग 1400–1500 ईसवी	उड़ीसा के गजपति राज्य की स्थापना (1435); गुजरात और मालवा की सल्तनतों की स्थापना; अहमदाबाद, बीजापुर तथा बेरार सल्तनतों का उदय (1490)
लगभग 1500–1600 ईसवी	पुर्तगालियों द्वारा गोवा पर विजय (1510); बहमनी राज्य का विनाश; गोलकुंडा की सल्तनत का उदय (1518); बाबर द्वारा मुगल साम्राज्य की स्थापना (1526)

ipca
A dose of life



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

काल-रेखा-2

विजयनगर की खोज व संरक्षण की मुख्य घटनाएँ

1800	कॉलिन मैकेन्जी द्वारा विजयनगर की यात्रा
1856	अलेक्जैंडर ग्रनिलो ने हम्पी के पुरातात्विक अवशेषों के पहले विस्तृत चित्र लिए
1876	पुरास्थल की मंदिर की दीवारों के अभिलेखों का जे.एफ. फ्लीट द्वारा प्रलेखन आरंभ
1902	जॉन मार्शल के अधीन संरक्षण कार्य आरंभ
1986	हम्पी को यूनेस्को द्वारा विश्व पुरातत्व स्थल घोषित किया जाना